DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

NAME OF NEWSPAPER अमर उजाला नई दिल्ली | बुधवार, 24 मई 2023

बच्चों को उनका संग्रहालय अब वापस मिल गया है!

दक्षिणी दिल्ली के सीरी फोर्ट के पास बने चिल्ड्रन म्यूजियम को एक बार फिर बच्चों के लिए खोल दिया गया

देव प्रकाश चौधरी

नई दिल्ली। दक्षिणी दिल्ली के सीरी फोर्ट के पास बने चिल्ड्रन म्यूजियम को एक बार फिर बच्चों के लिए खोल दिया गया है। लगभग तीन साल से यह बंद था। बच्चों का यह संग्रहालय उन्हें प्राचीन धरोहरों को देखने और परखने की कला सिखाता है।

प्राचीन मूर्तिशिल्पों को कैसे देखना है, उसे कैसे नहीं छूना चाहिए, उसके बारे में जानकारी कैसे प्राप्त करें, ऐसे सवालों के जवाब बच्चों को यहां मिलते रहे हैं। दिल्ली और आसपास के इलाकों के स्कूलों के बच्चे अक्सर यहां आते हैं और देश के अलग-अलग इलाकों में संरक्षित प्रसिद्ध प्राचीन मूर्तिशिल्पों की अनुकृतियों का आनंद लेते हैं। अक्सर चिल्ड्रन म्यूजियम की तरफ से बच्चों के लिए तरह तरह के आयोजन भी होते रहे हैं।

बच्चों के लिए इस विरासत संग्रहालय का इतिहास 25 साल से भी ज्यादा पुराना है। इस संग्रहालय के अस्तित्व में आने की कहानी पंजाबी की मशहूर कथाकार अजीत कौर से जुड़ी हुई है। -'' सीरी फोर्ट की दीवार के पास एक दिन मैंने मजदूरों को एक टीला खोदते देखा। मैंने अनुमान लगाया कि वे एएसआई के लोग होंगे, लेकिन वे डीडीए के लोग थे। मैंने विरोध किया कि वे संरक्षित स्मारक सीरी फोर्ट वॉल के 100 मीटर के दायरे में जमीन में खुदाई नहीं कर सकते। उन्होंने मेरी उपेक्षा की। मैंने एएसआई को सूचना दी। महानिदेशक से मिलने व्यक्तिगत तौर पर गई। मामले की शिकायत पुलिस से भी की। कुछ महीने तक खुदाई बंद रही, लेकिन फिर शुरू हो गई। मैं हर दूसरे दिन सुबह वहां जाती थी और खुदाई में निकले प्राचीन मिट्टी के बर्तनों के टुकड़े उठाती थी। बहुत सुंदर, सदियों बाद भी रंगीन।

सीरी फोर्ट के पास बने चिल्ड्रन म्यूजियम में पहुंचे बच्चे।

उसी समय में इग्नू में इतिहास विभाग के प्रमुख प्रो. कपिल कुमार और जामिया मिलिया इस्मालिया के इतिहासकार प्रो. रेफाकत अली खान ने पता लगाया कि ये मिट्टी के बर्तन खिलजी काल के हैं। चर्चा होने लगी कि बहुत ही कीमती ऐतिहासिक टीले को डीडीए द्वारा नष्ट किया जा रहा है। अजीत कौर बताती हैं कि तब तक एक विशाल, महलनुमा इमारत डीडीए ने खड़ी कर दी थी। डीडीए ऑफिसर्स क्लब! फिर उन्होंने इसे मैरिज प्लेस में तब्दील कर दिया। मैंने अपने मित्र पूर्व प्रधानमंत्री और कलाकार वीपी सिंह से बात की। उन्होंने हाईकोर्ट में केस करने का फैसला किया। वीपी सिंह खुद कोर्ट जाते थे। मैंने इस कानूनी लड़ाई में कई लाख खर्च किए। आखिरकार अदालत ने फैसला दिया कि इमारत को गिराया जाना चाहिए। डीडीए ने एएसआई को चाबियां सौंप दी। इसके बाद कथाकार अजीत कौर और मशहूर चित्रकार अर्पणा कौर के अथक प्रयास और एएसआई के संवेदनशील अधिकारियों के सहयोग से यह चिल्ड्रन म्यूजियम अस्तित्व में आया, लेकिन पिछले तीन साल से यह बंद था. क्यों इसकी ठोस वजह किसी को नहीं मालूम। एएसआई के अधिकारी प्रवीण सिंह बताते हैं कि 18 मई को म्यूजियम डे के अवसर पर चिल्ड्रन म्यूजियम को फिर से खोल दिया गया है। उस दिन बच्चों के लिए एक पेंटिंग प्रदर्शनी का भी आयोजन हुआ था।

यहां छिपा हुआ है दिल्ली का इतिहास

चिल्ड्रन म्यूजियम परिसर के चप्पे-चप्पे में बिखरा हुआ है इतिहास। कुछ दिन पहले मुख्य दरवाजे के पास कुछ निर्माण की गतिविधियां हो रही थीं तो नीचे जमीन में अधिकारियों को एक मेहराब सा दिखाई पड़ा। विशेषज्ञों का अनुमान है कि वह किसी भवन का हिस्सा है। एएसआई अधिकारी प्रवीण सिंह कहते हैं कि अभी इसके बारे में विचार विमर्श चल रहा है। निश्चित रूप से यह सीरी फोर्ट से जुड़े किसी निर्माण का हिस्सा है। उसे फिलहाल चारों तरफ से सुरक्षित कर दिया गया है। पुरातत्व के विशेषज्ञों को लगता है कि अगर वैज्ञानिक तरीके से संपूर्ण रूप से खुदाई हो तो दिल्ली के इतिहास में कुछ नए अध्याय जुड़ सकते हैं।

पंजाब केसरी
DELHI

भलस्वा झील को स्वच्छ करने को लेकर भिड़े एलजी और मंत्री भारद्वाज

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): अभी तक अधिकारियों के तबादले और तैनाती के मुद्दे पर उलझे एलजी वीके सक्सेना और जल मंत्री सौरभ भारद्वाज मंगलवार को भलस्वा झील की साफ सफाई को लेकर भी भिड़ गए। सक्सेना ने जहां झील का दौरा करते हुए डीडीए द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना कर दी वहीं भारद्वाज ने बयान दिया कि एलजी हमारे कामों का अनुचित श्रेय ना लें।

एलजी ने मुख्य सचिव और डीडीए अधिकारियों के साथ मंगलवार को भलस्वा झील का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने झील के कायाकल्प एवं पुनरोद्धार के लिए डीडीए द्वारा किए जा रहे कामों की प्रशंसा की। एलजी ने ट्वीट कर कहा कि यह झील हमारे लिए एक संपत्ति है और 15 अक्टूबर को उनके द्वारा किये गये झील के निरीक्षण के बाद से डीडीए ने यहां उल्लेखनीय काम किए हैं।

उन्होंने कहा कि दिल्ली के लोगों के लिए झील में वाटर स्पोर्टस और अन्य मनोरंजक गतिविधियों को शुरू करने की योजना बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि भलस्वा डेयरी से गाय के गोबर की झील में डंपिंग पर रोक से यहां बीओडी की मात्रा भी 49 से घटकर 14 रह गई है। साथ ही इसके तटबंध के बदलाव ने इसे समृद्ध रूप से नवीनीकृत किया है। भारद्वाज ने इस पर कहा कि केजरीवाल सरकार के नेतृत्व में जल बोर्ड द्वारा यह कार्य किया जा रहा है। एलजी इस कार्य का अनुचित श्रेय न लें। भारद्वाज ने आगे बताया कि केजरीवाल के नेतृत्व में चुनी हुई सरकार डीडीए के लगभग 36 जलाशयों के काया- कल्प एवं पुनरोद्धार का काम कर रही है। उन्होंने झील को पुनर्जीवित करने के लिए जारी किए गए जल बोर्ड के वर्क आर्डर का जिक्र करते हुए कहा कि इस प्रकार से षड्यंत्र कर, मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जी द्वारा किए गए कार्यों का श्रेय लेने से पहले उपराज्यपाल यही भूल गए कि उन्होंने मई 2022 में उपराज्यपाल का पद संभाला था। जबकि भलस्वा झील को पुनर्जीवित करने के कार्य का वर्क आर्डर दिल्ली की चुनी हुई सरकार द्वारा जारी चार जनवरी 2022 को ही किया जा चुका था। उधर राजनिवास के अधिकारियों ने देर रात बयान जारी कर जलमंत्री के दावों को झूठा बताया। उनका कहना था कि गत 15 अक्टूबर को जब एलजी इस झील पर गए तो वहां की स्थिति बहुत ही दयनीय थी।

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

NAME OF NEWSPAPER: अमर उजाला नई दिल्ली बुधवार, 24 मई 2023

भलस्वा झील के पुनरुद्धार मुद्दे पर भारद्वाज-एलजी में घमासान

हालात से अवगत होने के बाद भी मंत्री के ऐसे दावे दुर्भाग्यपूर्ण और तथ्यों से परे: अधिकारी

अमर उजाला ब्यूरो

नई दिल्ली। भलस्वा झील के कायाकल्प पर एक बार फिर एलजी और आम आदमी पार्टी आमने सामने हैं। एलजी ने मंगलवार को इस झील का दौरा करते हुए दिल्ली की इस अमूल्य संपत्ति के पुनरुद्धार के लिए दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) के प्रयासों की सराहना की। दिल्ली सरकार के जल मंत्री सौरभ भारद्वाज ने उपराज्यपाल पर दिल्ली सरकार के कार्यों का झूठा श्रेय लेने का आरोप लगाया। पद की गरिमा को देखते हुए यह शोभनीय नहीं है।

अपने ट्वीट में भारद्वाज ने कहा है कि अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में दिल्ली जल बोर्ड(डीजेबी)द्वारा कायाकल्प किया गया। दिल्ली की चुनी हुई सरकार डीडीए के करीब 35-36 जल निकायों पर काम कर रही है। भारद्वाज ने ट्वीट के जरिये निशाना साधते हुए यह भी कहा है कि उपराज्यपाल ने मई, 2022 में पदभार ग्रहण किया। पिछले साल जनवरी में डीडीए के नाले के कायाकल्प का वर्क ऑर्डर दे दिया गया था। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में दिल्ली जल बोर्ड ने डीडीए नाले के कायाकल्प के लिए इसं दिशा में पहल की थी। भारद्वाज ने निशाना साधते हुए कहा कि कई वर्षों से भलस्वा डेयरी से गायों के गोबर को डीडीए की झील में फेंका जा रहा है। झील की सफाई का जिम्मा तत्कालीन भाजपा शासित निगम का था।

झील की सफाई के लिए उपराज्यपाल ने दिए थे निर्देश

एलजी सचिवालय के एक अधिकारी ने बताया कि उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने 15 अक्टूबर को भलस्वा झील का दौरा किया। उन्होंने इसकी दयनीय दयनीय स्थिति देखी। जलाशयों को साफ करने का कोई काम नहीं चल रहा था, इसके बाद एलजी ने डीडीए को झील को अपने कब्जे में लेने का निर्देश दिया। इसके बाद ही वास्तव में सफाई की शुरुआत हुई।

जलाशयों को पुनर्जीवित करने की मिली थी अनुमतिः भारद्वाज

भारद्वाज ने ट्वीट में डीडीए के 17 मई, 2019 के एक पत्र का हवाला देते हुए कहा कि इसके सहित सात जलाशयों को पुनर्जीवित करने की दिल्ली सरकार को अनुमति दी गई थी। मई, 2022 में दिल्ली के एलजी का पदभार ग्रहण करने के बाद कई महीनों से आप दिल्ली सरकार के काम का क्रेडिट ले रहे हैं। यह आपके पद को शोभा नहीं देती।

दैनिक भास्कर नई दिल्ली, बुधवार 24 मई, 2023 | 06

भलस्वा झील की सफाई का झूठा क्रेडिट ले रहे एलजी : डीजेबी

भास्कर न्यूज | नई दिल्ली

दिल्ली जल बोर्ड के अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने मंगलवार को आरोप लगाया कि उपराज्यपाल वीके सक्सेना भलस्वा झील की सफाई का झूठा क्रेडिट ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि एलजी ओछी जनसंपर्क गतिविधियों में लिप्त होने और अरविंद केजरीवाल सरकार के विकास कार्यों का श्रेय लेने का प्रयास कर रहे हैं। आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए उपराज्यपाल सचिवालय के एक अधिकारी ने कहा कि सरकार के मंत्री के दावे दुर्भाग्यपूर्ण और आधारहीन हैं। एलजी ने दिल्ली सरकार के अधिकारियों के साथ, मंगलवार को भलस्वा झील का दौरा किया और अपने ट्विटर हैंडल पर घोषणा की कि दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) कायाकल्प कार्य के लिए जिम्मेदार है। अक्टूबर 2022 में उनकी पहली यात्रा के बाद कायाकल्प कार्य शुरू हुआ था। इस पर मंत्री ने भारद्वाज ने ट्विटर पर एलजी के दावों का जवाब दिया और वर्क ऑर्डर और अन्य दस्तावेजों की प्रतियां साझा कीं। उन्होंने कहा कि भलस्वा झील का काम अन्य जलाशयों की तरह केजरीवाल सरकार कर रही है। इसमें दिल्ली जल बोर्ड सबसे आगे है।

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

millenniumpost
NAME OF NEWSPAPE NEW DELHI | WEDNESDAY, 24 MAY, 2023 TED----------

L-G taking false credit for Bhalswa Lake cleaning: Bharadwaj

OUR CORRESPONDENT

NEW DELHI: Lt Governor VK Saxena is claiming "false credit" for the cleaning and rejuvenation work at Bhalswa Lake that has been underway since January 2022, Delhi Jal Board Chairman Saurabh Bharadwaj alleged on Tuesday.

Reacting to Bharadwaj's allegations, an official from the L-G Secretariat said his claims were "unfortunate, baseless and bereft of facts".

In a strongly-worded statement, Bharadwaj accused Saxena of engaging in petty public relations activities and attempting to take credit for the efforts of the Arvind Kejriwal government.

He alleged that the Lt Governor has been consistently claiming credit for various initiatives related to the Yamuna cleaning, lake rejuvenation and drain desilting, which have been going on for several years.

Saxena, accompanied by Delhi government officials, on Tuesday visited Bhalswa Lake and took to his Twitter handle to announce that the Delhi Development Authority (DDA) was responsible for the rejuvenation work, suggesting that it began after his first visit in October 2022.

Bharadwaj responded to Saxena's claims on Twitter, sharing copies of work orders and other documents.

An official from the L-G Secretariat said his claims were 'unfortunate, baseless and bereft of facts'

He said the work at Bhalswa Lake, like at other water bodies, was being carried out by the Kejriwal government, with the Delhi Jal Board being at the forefront.

Bharadwaj, who holds the Water department portfolio, also shared the work order, amounting to Rs 4.52 crore, issued by the Delhi Jal Board on January 4, 2022, which predated Saxena's appointment.

Saxena assumed office in May 2022 while the DDA granted permission to the Delhi Jal Board to work on the lake's rejuvenation on May 17, 2019. Bharadwaj said the DDA, as an agency under the central government, owns a significant portion of land and lakes in the city.

Recognising that many of these water bodies were in a dilapidated state, Kejriwal directed the Delhi Jal Board to coordinate with the land-owning agency to undertake their rejuvenation using the funds allocated by the city government.

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

दैनिक जागरण नई दिल्ली, 24 मई, 2023

भलस्वा झील की सफाई पर भिड़े एलजी व मंत्री

• एलजी ने किया झील का दौरा, डीडीए के प्रयासों को सराहा

• जल मंत्री बोले- हमारे कार्यों का अनुचित श्रेय न लें एलजी

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली: अभी तक अधिकारियों के तबादले और तैनाती के मुद्दे पर उलझे एलजी वीके सक्सेना और जल मंत्री सौरभ भारद्वाज मंगलवार को भलस्वा झील की साफ-सफाई को लेकर भी भिड़ गए। एलजी ने जहां झील का दौरा करते हुए डीडीए द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की, वहीं भारद्वाज ने कहा कि एलजी हमारे कार्यों का अनुचित श्रेय न लें।

एलजी ने मुख्य सचिव और डीडीए अधिकारियों के साथ मंगलवार को भलस्वा झील का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने झील के कायाकल्प एवं पुनरोद्धार के लिए डीडीए द्वारा किए जा रहे कार्यों की प्रशंसा की। एलजी ने अपने इस दौरे की जानकारी ट्वीट के जरिये दी। उन्होंने बताया कि यह झील हमारे लिए एक संपत्ति है और 15 अक्टूबर को उनके द्वारा किए गए झील के निरीक्षण के बाद से डीडीए ने यहां उल्लेखनीय काम किए हैं। इसका परिणाम अब स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है। उन्होंने कहा कि इसी के चलते हम जल्द ही एक बड़ा निर्णय लेने जा रहे हैं। दिल्ली के लोगों के लिए झील में वाटर स्पोर्ट्स और अन्य मनोरंजक गतिविधियां शुरू करने की योजना बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि भलस्वा डेरी से गाय के गोबर की झील में डंपिंग पर रोक से यहां बीओडी की मात्रा भी 49 से घटकर 14 रह गई है। साथ ही इसके तटबंध के बदलाव ने इसे समृद्ध रूप से नवीनीकृत किया है।

अधिकारियों के साथ भलस्वा झील का दौरा करते एलजी वीके सक्सेना • सौ. ट्विटर

वहीं, एलजी के इस दौरे और ट्वीट पर जल मंत्री सौरभ भारद्वाज ने भी तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने ट्वीट किया कि केजरीवाल सरकार के नेतृत्व में जल बोर्ड द्वारा यह कार्य किया जा रहा है। एलजी इस कार्य का अनुचित श्रेय न लें। भारद्वाज ने बताया कि केजरीवाल के नेतृत्व में चुनी हुई सरकार डीडीए के लगभग 36 जलाशयों के कायाकल्प एवं पुनरोद्धार का काम कर रही है। उन्होंने झील को पुनर्जीवित करने के लिए जारी किए गए जल बोर्ड के वर्क आर्डर का जिक्र करते हुए कहा कि इस प्रकार से षड्यंत्र कर मुख्यमंत्री द्वारा किए गए कार्यों का श्रेय लेने से पहले एलजी यही भूल गए कि उन्होंने मई 2022 में उपराज्यपाल का पद संभाला था, जबकि भलस्वा झील को पुनर्जीवित करने के कार्य का वर्क आर्डर दिल्ली सरकार द्वारा जारी चार जनवरी, 2022 को ही किया जा चुका था।

उधर, राजनिवास के अधिकारियों ने देर रात बयान जारी कर जल मंत्री के दावों को झूठा बताया। उनका कहना था कि 15 अक्टूबर को जब एलजी इस झील पर गए, तो वहां की स्थिति बहुत दयनीय थी। 30 अक्टूबर को छठ पर्व के मद्देनजर एलजी 26 अक्टूबर को फिर से वहां गए और वहां चल रहे सफाई कार्यों का जायजा लेते हुए झील की बेहतरी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया था।

THE INDIAN EXPRESS, WEDNESDAY, MAY 24, 2023

Revamp of Bhalswa lake becomes new flashpoint between L-G, Delhi govt

New Delhi: A new tussle erupted between AAP Minister Saurabh Bharadwaj and Lieutenant Governor VK Saxena over the re-development of Bhalswa lake, with the former alleging that the L-G is "taking false credit" for work done by Delhi government.

After visiting the Bhalswa lake Tuesday, Saxena tweeted: "Visiting Bhalswa Lake and appreciated the efforts undertaken by DDA in rejuvenating this priceless asset..."

Responding to this, Bharadwaj, who is also the chairman of Delhi Jal Board, said, "The L-G is taking false credit for cleaning Bhalswa lake where work is going on since January 2022..."

L-G Secretariat called it "unfortunate, baseless and bereft of facts" and said that Saxena visited the Bhalswa lake on October 15 last year and after finding it in a pathetic condition, he directed DDA to take over the lake. "That's when cleaning work actually started," the official said. **ENS**

हिन्दुस्तान

झील की सफाई पर श्रेय लेने की होड़

नई दिल्ली, प्रमुख संवाददाता। भलस्वा झील की सफाई को लेकर श्रेय लेने की होड़ मच गई है। दिल्ली के जल मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा है कि झील की सफाई की शुरुआत उप राज्यपाल की नियुक्ति के पहले ही हो चुकी थी। वहीं, उप राज्यपाल सचिवालय की ओर से कहा कि अक्तूबर 2022 में एलजी के निरीक्षण के बाद काम शुरू हुआ था।

- जनवरी 2022 में वर्क ऑर्डर हुआः भारद्वाज
- एलजी के निर्देश पर काम हुआः सचिवालय

सौरभ भारद्वाज ने मंगलवार को जारी बयान में कहा कि झील को पुनर्जीवित करने के कार्य का वर्क आर्डर चार जनवरी 2022 को ही चुनी हुई सरकार द्वारा जारी किया जा चुका था। जबकि, उप राज्यपाल ने मई 2022 में पदभार संभाला था।

उधर, उप राज्यपाल सचिवालय के एक अधिकारी ने कहा कि 15 अक्तूबर 2022 को एलजी वीके सक्सेना ने भलस्वा झील का निरीक्षण किया था। तब इस झील की खराब हालत को देखा। इस पर उप राज्यपाल ने डीडीए को झील की सफाई करने को कहा। अधिकारी ने कहा कि 26 अक्तूबर को एलजी ने दोबारा झील का निरीक्षण किया। एलजी के निर्देशों के बाद ही डीडीए ने दीवार का निर्माण किया ताकि आसपास के गांवों से निकलने वाले गोबर को झील में जाने से रोका जा सके।

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

। नवभारत टाइम्स । नई दिल्ली ।
बुधवार, 24 मई 2023

RS------------------------------------DATED--------------------

7 महीने में कूड़े के पहाड़ों की ऊंचाई 15 मीटर तक घट गई

■ विशेष संवाददाता, नई दिल्ली

दिल्ली के उप-राज्यपाल वीके सक्सेना ने मंगलवार को दिल्ली की तीनों लैंडफिल साइट्स का दौरा करके वहां चल रहे काम की प्रगति की समीक्षा की। एलजी ऑफिस का दावा है कि एलजी द्वारा किए जा रहे प्रयासों की बदौलत पिछले तीन महीनों में ही 12.50 लाख टन कूड़े का निपटारा किया जा चुका है। इसके चलते पिछले 7 महीने में गाजीपुर, ओखला और भलस्वा स्थित कूड़े के पहाड़ों की ऊंचाई करीब 15 मीटर तक घट गई है। एलजी ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि तीनों कूड़े के पहाड़ों पर पड़े बाकी के कूड़े का निपटारा भी तय समय सीमा के अंदर किया जाए।

इसी साल 16 फरवरी को नैशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल ने दिल्ली में सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट के लिए एलजी की अध्यक्षता में हाई लेवल कमिटी गठित की थी, जिसके बाद से कूड़े के निपटारे के काम में काफी तेजी आई है। उसी काम की प्रगति की समीक्षा के लिए एलजी मंगलवार को तीनों लैंडफिल साइट का दौरा करने पहुंचे थे। इस दौरान दिल्ली के मुख्य सचिव नरेश कुमार और एमसीडी कमिश्नर ज्ञानेश भारती के अलावा एमसीडी के अन्य सीनियर अधिकारी भी वहां मौजूद रहे। एलजी ने इससे पहले 23 मार्च को तीनों लैंडफिल साइट का दौरा किया था। अधिकारियों ने एलजी को बताया कि बीते तीन महीनों में 12.50 लाख टन कूड़े का निपटारा किया जा चुका है। एलजी ने इस पर संतोष व्यक्त किया।

एलजी ऑफिस के मुताबिक, मई 2022 मे जहां हर महीने करीब 1.41 लाख मीट्रिक टन कूड़े को डिस्पोज किया जा रहा था, वहीं अक्टूबर 2022 में यह मात्रा बढ़कर 6 लाख मीट्रिक टन प्रतिमाह हो गई थी।

पिछले तीन महीनों में ही 12.50 लाख टन कूड़े का निपटारा किया गया है

- एक साल में 74.4 लाख मीट्रिक टन कूड़े का निपटारा किया जा चुका है
- लैंडफिल साइट्स पर 80 ट्रॉमेल मशीनों से किया जा रहा है कूड़े का निपटारा

नवंबर 2022 में नई कंपनी को एंगेज करने के बाद यह काम और तेजी से होने लगा और अब जिस स्पीड से काम चल रहा है, उसे देखते हुए यह निश्चित लग रहा है कि जल्द ही प्रतिदिन 30 हजार मीट्रिक टन और प्रतिमाह 9 लाख मीट्रिक टन कूड़े का निपटारा करने का लक्ष्य हासिल किया जा सकेगा। जून 2022 में तीनों लैंडफिल साइट पर कुल 229.1 लाख मीट्रिक टन कूड़ा जमा था, जो अब एक साल के अंदर घटकर 154.9 लाख मीट्रिक टन रह गया है। यानी एक साल में ही 74.4 लाख मीट्रिक टन कूड़े का निपटारा किया जा चुका है, जो कूड़े की कुल मात्रा का 32.38 प्रतिशत है। एमसडी ने मई 2024 तक

एलजी ने मंगलवार को तीनों लैंडफिल साइट्स का दौरा कर लिया जायजा

तीनों लैंडफिल साइट पर पड़े सारे पुराने कचरे के बायोमीट्रिक तरीके से निपटारे का लक्ष्य रखा है। एलजी इस काम की खुद निगरानी कर रहे हैं। तीनों लैंडफिल साइट्स पर 80 ट्रॉमेल मशीनों के जरिए कूड़े का निपटारा किया जा रहा है। 30 जून तक इसमें 5 मशीनें और जुड़ जाएंगी।

भलस्वा लेक की सफाई को लेकर एलजी के दावे पर मंत्री ने उठाए सवाल

■ **विस, नई दिल्ली** : नॉर्थ-वेस्ट दिल्ली में स्थित भलस्वा लेक की सफाई करके उसे पुनर्जीवित करने के संबंध में एलजी के दावों पर दिल्ली सरकार के जल मंत्री सौरभ भारद्वाज ने सवाल खड़े किए हैं। मंगलवार को एलजी ने भलस्वा लेक का दौरा भी किया। इसकी तस्वीरें और विडियो शेयर करते हुए एलजी के ऑफिशल ट्विटर हैंडल से एक ट्वीट किया गया, जिसमें भलस्वा झील को पुनर्जीवित करने का श्रेय डीडीए को देते हुए उसकी सराहना की गई थी। एलजी ने लिखा था कि 15 अक्टूबर 2022 को भलस्वा झील पर उनकी पहली विजिट के बाद से डीडीए के द्वारा किए प्रयासों की बदौलत दिल्ली की यह झील पुनर्जीवित हो गई है। भलस्वा डेरी से झील में जो गोबर डाला जाता था, उस पर रोक लगाने के बाद झील के पानी में ऑक्सिजन की मात्रा में भी काफी सुधार हुआ है। दिल्ली सरकार के जल मंत्री सौरभ भारद्वाज ने एलजी के दावे पर सवाल उठाते हुए कहा कि उन्हें इस तरह दूसरे के काम का क्रेडिट नहीं लेना चाहिए। सौरभ ने दावा किया कि भलस्वा झील को पुनर्जीवित करने का काम मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के निर्देश पर दिल्ली जल बोर्ड द्वारा शुरू किया गया था। केवल भलस्वा झील ही नहीं, बल्कि दिल्ली सरकार डीडीए की तीन दर्जन वॉटर बॉडीज को पुनर्जीवित करने का काम कर रही है। एलजी की नियुक्ति पिछले साल मई में हुई थी, जबकि झीलों को पुनर्जीवित करने का काम शुरू करने के लिए वर्क ऑर्डर जनवरी 2022 में ही जारी किया जा चुका था।

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

NAME OF NEWSPAPERS---- THE TIMES OF INDIA, NEW DELHI WEDNESDAY, MAY 24, 2023 ----------DATED----------

Bharadwaj says LG taking credit for lake revamp, Raj Niwas hits back

TIMES NEWS NETWORK

New Delhi: Delhi water minister Saurabh Bharadwaj on Tuesday alleged that lieutenant governor VK Saxena was taking undue credit for the government's efforts in rejuvenating the Bhalswa lake.

In response, the LG office described the claims as "unfortunate, baseless and bereft of facts".

In a tweet on Tuesday, Saxena's office shared a video showing the progress at the site. He "visited Bhalswa Lake and appreciated the efforts undertaken by DDA in rejuvenating this priceless asset of the capital after his first visit" on October 15 last year, Raj Niwas tweeted.

Bharadwaj said the project at Bhalswa like other water bodies was being undertaken by chief minister Arvind Kejriwal-led Delhi government. He also posted the work order of DJB, dated January 2022, amounting to Rs 4.52 crore. He claimed that the project was planned before Saxena was appointed the LG.

"It is noteworthy that LG Vinai Kumar Saxena joined this position in May 2022 while the permission provided by DDA to the Delhi Jal Board to rejuvenate this lake dates back to May 17, 2019," Bharadwaj said.

File photo

BHALSWA LAKE IN 2020

In response, the officials at Raj Niwas shared old tweets of Saxena showing that till October last year, no work was carried out at the Bhalswa lake.

"It is disheartening to see the LG claiming credit for the work which has been going on for many years...much before he joined as the LG of Delhi. Delhi government has been patiently waiting that someday the LG will give due credit for this work to those who deserve it. The office of LG is a sacrosanct office and such PR exercises are not expected from the office of LG," said Bharadwaj.

The minister further added that CM Kejriwal had always advocated for restraint even when the LG office claimed the credit for most of the works undertaken by Delhi Jal Board, irrigation and flood control and the environment department of the city government.

An official from the LG Secretariat said the lieutenant governor visited the Bhalswa lake on October 15 and found it in a "pathetic condition".

Raj Niwas shared old tweets of Saxena showing that till October last year, no work was carried out at the Bhalswa lake

"No work to clean the waterbody was going on. The LG then directed the DDA to take over the lake. That's when the cleaning work actually started," the official said.

The official added that the LG went to inspect the cleaning work on October 26 and again visited the lake on the day of the Chhath festival.

"Proper statements were issued by the LG Secretariat and the lieutenant governor even tweeted about the developments from his own handle. Also, on the directions of the LG, a wall was constructed by the DDA to stop the flow of dung from the neighbouring villages into the lake. It is the result of all these efforts that the BOD level in the lake has decreased from 49 to 14," the official from the LG Secretariat added.

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

Hindustan Times NEW DELHI WEDNESDAY MAY 24, 2023

LG back in action, views landfill projects in Delhi

HT Correspondent
letters@hindustantimes.com

NEW DELHI: Lieutenant governor VK Saxena, who heads a high-level committee on waste management constituted by the National Green Tribunal, on Tuesday said that the bio-remediation work to flatten Delhi's three landfill sites has gathered pace and is expected to reach a removal rate of 900,000 tonne per month soon.

Saxena made the remark after visiting the Okhla, Ghazipur, and Bhalswa landfills — his first visit to the sites after the central government's on May 19 promulgated an ordinance that effectively nullified a May 11 Supreme Court judgement, which shifted the authority of controlling bureaucrats in the national capital from the LG to the elected Delhi government.

He tweeted, "Happy to report that bioremediation of waste has picked up unprecedented pace and will soon reach 30K MT/Day, effecting 9 Lakh MT/Month, compared to the 1.41 Lakh MT/Month when I first visited Ghazipur on 29.05.22, right after taking over. My gratitude to the people of Delhi for being a part of this mission aimed at ridding the Capital of its mountains of shame."

In comparison, the processing rate was 141,000 tonne per month in May last year.

NGT, on February 16, constituted the Solid Waste Monitoring Committee (SWMC) headed by LG on the lines of the high-level committee for the rejuvenation of Yamuna.

An LG secretariat official said that the total legacy waste at the three dump sites was 22.91 million tonne in June 2022, which now stands at 15.49 million tonne, down by 7.42 million tonne (32.38%) within a year.

Clearing the garbage mountains of Delhi was also one of the 10 promises made by the Aam Aadmi Party (AAP) in the run-up to the municipal elections held last year, after which chief minister Arvind Kejriwal visited the landfill sites in March and announced expedited deadlines to clean the sites — Okhla by December this year, Bhalswa by March 2024, and Ghazipur by December 2024.

However, the new common deadline set by the Municipal Corporation of Delhi (MCD) is May 2024 for the bio-remediation of all legacy waste at the three landfill sites, as confirmed by the LG office.

Bio-mining and remediation processes separate various components of legacy waste such as plastic, paper, cloth, sand, and bricks by passing them through trommel machines which act as cylindrical rotating sieves. Dumping more silt and fresh waste reverses the progress and slows down the net gains but there are no alternatives available with the civic body, an MCD official said.

According to an official from the LG office, the Bhalswa landfill remediation project has performed above the expectations between February and May while Ghazipur has been slowest. "During the last quarter, the National Highways Authority of India (NHAI) lifted inert waste for its road development project at Karala Majri, Burari, Kundli, and Holambi, among other areas. An innovative step involving the use of refuse-derived fuel (RDF) from legacy waste was also taken by JK Cements Limited, Chhitorgarh, Ultratech Cement, and some paper mills in Western Uttar Pradesh, which used the RDF in their furnace.

At present, a total of 80 trommel machines are segregating waste at the three landfill sites and 12 new machines have been added since June last year and five additional machines are expected to be added by 30 June 2023," the official added.

LG, Delhi govt spar over Bhalswa Lake

Saxena on Tuesday also tweeted about visiting Bhalswa Lake, sparking a feud with the AAP-led Delhi government, which accused him of taking "false credit" to clean the water body.

The LG tweeted, "Visited Bhalswa Lake & appreciated the efforts undertaken by DDA in rejuvenating this priceless asset of the Capital after my first visit on 15.10.2022. While stoppage of cow dung dumping from the Bhalswa Dairy has brought down the BOD from 49 to 14 in the water body, makeover of the embankment has richly refurbished it... We soon plan to launch water sports & other recreational activities in the lake for the people of Delhi."

In response, Delhi minister Saurabh Bharadwaj said, ""LG has been on a spree to claim credit for all the works of Yamuna cleaning, lake rejuvenation, and desilting of drains which have been going on for several years. It is unfortunate that the LG office is indulging in such petty public relations activities."

Hitting back, an official from the LG secretariat said Bharadwaj's allegations were "bereft of facts".

"No work to clean the waterbody was going on (till October). The LG then directed the DDA to take over the lake. That's when the cleaning work actually started," the official said.

LG VK Saxena at the Ghazipur landfill on Tuesday PTI

Clearing the garbage mounds

Bio-mining and remediation processes separate components of legacy waste by passing them through trommel machines

1.25 million tonne
Waste removed in last 3 months from the landfills

15m height reduction of Delhi's three garbage mounds over last seven months

15.49 million tonne
Legacy waste as on May 23, lower than 28 million tonne in June 2022

80 trommel machines currently in use at landfill sites

900k tonne/month Target remediation rate

May '24
Deadline set by MCD for bio-remediation of all the legacy waste at the Ghazipur, Okhla and Bhalswa landfill sites

Saxena gets Guj court relief in 2002 assault case

AHMEDABAD: The Gujarat high court on Tuesday provided temporary respite for Delhi lieutenant governor VK Saxena in a case of an alleged assault on social activist Medha Patkar in 2002, issuing an interim stay on any further proceedings related to the matter.

The high court decided to suspend the ongoing trial against Saxena until his plea challenging a metropolitan court's order — which denied his request to postpone the trial until he completes his term as Delhi's LG — is pending and finally resolved.

A detailed order is yet to uploaded on the high court's website

Saxena, along with two BJP MLAs and a Congress leader, is accused of assaulting Patkar in 2002 at Ahmedabad's Sabarmati Ashram. HTC